मैक्सिको में सैन लुई पोतोसी में तेज हवाओं वाली पहाड़ी सड़क के ऊपर स्थित है ज़िलीत्ला टाउन। यहां पहुंचना आसान नहीं है। लेकिन लोगों का कहना है कि रास्ता बहुत मनोरम है और दक्षिण पश्चिम थाइलैण्ड की याद दिलाता है। गन्ने के खेत, संतरों से लदे ट्रक, हरी-भरी ट्रॉपिकल वनस्पति और पार्श्व में नुकीले ग्रैनाइट पर्वत यहाँ के नज़ारे को अद्‌भुत बनाते हैं। पर्वत के शिखर पर एक खूबसूरत बगीचा है ''लास पोज़ास'', जो किसी वंडरलैण्ड से कम नहीं है। एक अंग्रेज कवि, एडवर्ड जेम्स ने यह बगीचा बनवाया था। जेम्स को मैक्सिको का यह भाग इतना पसंद आया कि, उसने तय कर लिया कि, अपनी जीवनभर की कमाई खर्च करके वह यहां अपने सपनों का बगीचा और घर बनाएगा। सन्1949 से लेकर 1984 तक मैक्सिको के कामगारों और कलाकारों ने जंगल में यह अद्‌भुत दुनिया सृजित की। वर्तमान में एडवर्ड जेम्स फाउण्डेशन इस बगीचे और यहां बनी इमारतों का संरक्षण करता है ताकि आम लोग भी एडवर्ड जेम्स की खूबसूरत सोच का हिस्सा बन सकें। यह एक जादुई दुनिया है, जिसमें घुसते ही ढेर सारा पानी नज़र आता है, इसीलिए इसका नाम ''लास पोज़ास'' रखा गया है, क्योंकि स्पैनिश भाषा के इस शब्द का अर्थ है तालाब। लगभग 80 किलोमीटर में फैले लास पोज़ास में कुछ हाइकिंग ट्रेल्स भी हैं। इस अद्‌भुत अनुभव के लिए यहां वर्ष भर पर्यटकों की आवाजाही बनी रहती है।

'ऐसा नहीं है कि सरकार रिपीट नहीं होती, जरूरत है अलग तरह से काम करने की'

पायलट ने कहा, समय से पहले, किस्मत से ज्यादा किसी को नहीं मिलता लेकिन व्यक्ति को एंबिशस होना चाहिए

- ''2014 में अध्यक्ष बना, तीन महीने बाद लोकसभा चुनाव में सभी सीटें हारे, मैं भी हार गया, कांग्रेस अध्यक्ष को इस्तीफा दे दिया था, लेकिन स्वीकार नहीं किया।''
- ''उसके बाद सोनिया गांधी से आशीर्वाद लेकर विकट हालात में पांच साल ताकत लगाकर काम किया, भाजपा के 163 विधायक थे, मैंने चैन से नहीं रहने दिया।

जयपुर, 28 जुलाई (का.प्र.)। राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस सरकार रिपीट करने को लेकर आशावान दिखाई दे रहे हैं,लेकिन इसी के साथ उन्होंने इसके लिए अलग काम करने की सलाह दी है।

जयपुर में आयोजित एक निजी कार्यक्रम में पायलट ने कहा ''राजस्थान में वर्ष1998 से सरकार रिपीट नहीं होने का सिलसिला चल रहा है। ऐसा नहीं है कि सरकारें रिपीट नहीं हो सकती। दिल्ली में शीला दीक्षित के समय 3 बार सरकार बनी। हरियाणा में हुड्डा ने दो बार और तरुण गोगोई ने असम में दो बार सरकार बनाई। मैंने पार्टी स्तर पर विस्तार से बात रखी है। हमारे पास अच्छा मौका है, अभी 15 महीने बचे हैं, उसमें हम कुछ ऐसा करें कि लोगों का विश्वास दोबारा जीता जा सके। इसके लिए जो कुछ करना है वह पार्टी के अंदर की बात है। इसके बारे में डेढ़ साल पहले मैंने रूपरेखा बनाकर दी, उस रास्ते पर हम चल रहे हैं। कुछ कदम उठाए गए हैं।''

पायलट ने कहा कि ''मेरे अध्यक्ष रहते विपक्ष में मैंने जितने चुनाव लड़े, सब में हमने भाजपा को हराया। वसुंधरा राजे के सीएम रहते हुए बीजेपी के 163 विधायक थे। मैंने उन्हें पांच साल चैन से नहीं रहने दिया। जब जब भी वसुंधरा राजे सरकार ने जनहित का काम नहीं किया हमने सड़कों पर उतरकर विरोध किया। मैं तो भाजपा के खिलाफ लड़ने आया हूं। अगर भाजपा को लगता है कि जनता उनकी जेब में है तो यह उनकी गलतफहमी है। आप डिलीवर नहीं करोगे तो लोग वोट नहीं देंगे।

राहुल गांधी द्वारा पेशेंस की तारीफ करने को लेकर पायलट ने कहा कि कोई गुणों की तारीफ करता है, अच्छी बात है। पेशेंस इसलिए भी जरूरी है कि मैं विश्वास करता हूं कि अगला चुनाव जीतने के बारे में पार्टी ने मेरे सुझावों को बहुत अच्छी तरह से लिया है। हमारे पूरे कुनबे का का सामूहिक उद्देश्य यही है कि राजस्थान में फिर से सरकार कैसे बनाएं।

उन्होंने कहा कि ''मैं जनवरी 2014 में अध्यक्ष बना था। तीन महीने बाद ही लोकसभा चुनाव थे, जिनमें हम सभी सीटें हार गए थे, मैं भी हार गया था। इस हार की जिम्मेदारी लेते हुए मैंने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को इस्तीफा दे दिया था, लेकिन उन्होंने यह कहते हुए इस्तीफा स्वीकार नहीं किया कि अध्यक्ष बने अभी दो महीने हुए हैं जाकर राजस्थान में पार्टी को नए सिरे से खड़ा कीजिए। उसके बाद सोनिया गांधी से आशीर्वाद लेकर मैंने ताकत से काम करना शुरू किया। इस्तीफे की यह बात मैंने किसी को नहीं बताई थी। मुझे जिन विकट हालात में पार्टी ने जिम्मेदारी दी, मैंने पांच साल ताकत लगाकर काम किया।''

पूर्व उप मुख्यमंत्री ने कहा कि समय से पहले और किस्मत से ज्यादा किसी को मिलता नहीं है। व्यक्ति को एंबिशियस होना ही चाहिए। अगर आपमें जील नहीं है, टीस नहीं है, भूख नहीं है खुद को साबित करने की या कुछ कर गुजरने की तो जीवन में रस नहीं रहेगा। सब कुछ पद से नहीं नापा जाता। आपने लोगों के दिलों पर छाप छोड़ी या नहीं यह अहम है।

पायलट बोले कि ''समय किसी के लिए नहीं रुकता। हमें समय के साथ चलना हैं। कितना आईटी का जमाना हो, नेता रातों रात नहीं बनता। एक प्रोसेस से गुजरना पड़ता है, 15 साल लगते हैं। मुझे 26 की उम्र में एमपी का टिकट दिया, मैं कम उम्र में अध्यक्ष बन गया। मेरे अध्यक्ष रहते जब निकाय चुनाव हुए, तब मैंने फोर्टी बिलो फोर्टी का नारा दिया था, जिसमें 40 फीसदी टिकट 40 से कम उम्र के नेताओं को दिए गए। युवाओं से केवल नारे लगवाने या दरी-पट्टी बिछाने के काम में ही नहीं उन्हें आगे भी लाना होगा, तभी नई युवा लीडरशिप विकसित होगी।''

14 घंटे सुलगी हैवल्स फैक्ट्री, नुकसान का आकलन नहीं

9 दमकलें 4 घंटे जुटी रहीं, 650 मजदूरों की जान बची

अलवर, 28 जुलाई (निसं)। अलवर के नीमराणा में हैवल्स इंडिया कंपनी की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट में 14 घंटे तक आग लगी रही। इस पर गुरूवार सुबह 11 बजे के करीब पूरी तरह काबू पाया जा सका। यहां हैवल्स की एलईडी और बल्ब बनते हैं। आग किन कारणों से लगी, यह कारण अभी स्पष्ट नहीं किया गया है। आग की लपटें इतनी विकराल थीं कि 4 किलोमीटर दूर से ही नजर आ रही थीं। वक्त रहते प्लांट में काम कर रहे 650 मजदूरों को सुरक्षित निकाल लिया गया, वरना बड़ी जनहानि हो सकती थी। आग पर 9 दमकलों ने रात 1 बजे तक काबू पाया।

प्लांट में कुल एक हजार मजदूर काम करते हैं और 12-12 घंटे की दो शिफ्ट में काम होता है। सुबह 7 से शाम 7 तक मॉर्निंग और फिर नाइट शिफ्ट होती है। रात को नाइट शिफ्ट शुरू होने के दो घंटे बाद ही यूनिट का एक हिस्सा धधक उठा। तुरंत सायरन बजाया गया और सभी मजदूर काम छोड़कर बाहर आ गए। जिस वक्त आग लगी उस वक्त 650 मजदूर प्लांट में काम कर रहे थे।

आग लगने की घटना का एक श्रमिक को सबसे पहले पता चला। इसके बाद प्लांट प्रबंधन को आग की सूचना दी गई। वहां से तुरंत फायर ब्रिगेड और पुलिस को सूचित किया गया। इसके बाद नीमराना, बहरोड़, कोटपूतली, जयपुर, अलवर, खुशखेड़ा, भिवाड़ी और हरियाणा से 9 दमकलें बुलवायी गईं। देखते ही देखते आग धधक उठी और प्लांट का एक हिस्सा जलकर खाक हो गया। सभी दमकलों ने करीब 4 घंटे की कड़ी मशक्कत से आग पर काबू पाया। इसके बाद सुबह 11 बजे एक ऑपरेशन चलाकर आग को पूरी तरह बुझाया गया। प्लांट से रह-रहकर चिंगारियां और लपटें उठ रहीं थी।

कंपनी के एलईडी व सीएफएल प्लांट में गैस सिलेंडर रखे हुए थे। आग लगने से सिलेंडर लगातार फटते रहे, जिससे आग विकराल होती गई और काबू से बाहर हो गई। आग लगने के 1 घंटे बाद कंपनी का फायर सिस्टम शुरू हुआ। बता दें कि हैवल्स कम्पनी में करीब चार लाख लीटर पानी का स्टोरेज था, लेकिन कंपनी कर्मचारियों व अधिकारियों ने करीब दस बजे जाकर स्टोरेज टैंक से आग पर पानी छिड़कना शुरू किया। आग लगने के बाद कम्पनी में अफरा-तफरी मच गई। बाहर लोगों की भीड़ जमा हो गई। प्लांट में लगी आग के बारे में कंपनी के अधिकारी व कर्मचारी कुछ नहीं बता पाए। आग किन कारणों से लगी व कितना नुकसान हुआ, इनकी जांच चल रही है। सूचना मिलने पर अलवर जिला कलैक्टर डॉ जितेंद्र सोनी घटना स्थल पहुंचे और हालात का जायजा लिया। हालांकि प्रशासनिक अधिकारी व कंपनी कर्मचारी मामले की जानकारी देने से बचते रहे। कंपनी के कर्मचारियों ने मीडिया कर्मियों को कवरेज करने से रोका और उनके साथ बदसलूकी की। मीडिया कर्मियों को कवरेज करने से मना करने के बाद उन्हें कंपनी से बाहर निकाल दिया गया।

नकली नोट प्रकरण में साउथ की फिल्म से आइडिया लेकर खड़ा किया गया था कारोबार

मुख्य सरगना दो अगस्त तक रिमांड पर, अहम सुराग मिले

बीकानेर, 28 जुलाई (निसं)। नकली नोट गिरोह के मुख्य सप्लायर से पुलिस को अहम सुराग मिले हैं। साउथ की फिल्म में हीरो के पिता की ओर से बदमाश को फिरौती की राशि में नकली नोट थमाने के सीन को देखकर ही दीपक और चंपालाल के मन में नकली नोटों के जरिए ठगी करने का आइडिया आया।

इन दोनों को अपना गिरोह तैयार करने में करीब छह माह लगे। इसके लिए चंपालाल व दीपक ने अपने खास दोस्तों को प्रलोभन देकर साथ किया।

पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक् आरोपी चंपालाल व दीपक की मुलाकात दोस्तों के साथ घूमने जाने के दौरान हुई। तब दीपक लूणकरनसर में अपने रिश्तेदार की दुकान पर बैठा करता था। बाद में चंपालाल ने उसे एक डील के लिए दिल्ली भेजा। जहां से वह रुपयों से भरा बैग लेकर आया था। तब उसे बड़ी रकम दी गई।

पुलिस जांच में यह भी पता चला है कि आरोपियों के कोलकाता, दिल्ली, हरियाणा व मध्यप्रदेश में गहरे लिंक हैं।

यह गिरोह अधिकांश राशि इन चार स्थानों पर ही खपा रहे थे। पिछले चार महीनों से इन्होंने लूणकरनसर, नोखा, श्रीडूंगरगढ़ , देशनोक, महाजन, कालू, हिम्मटसर क्षेत्र में फुटकर में रुपए चलाए। पुलिस ने ग्राम रक्षक, पुलिस मित्र व मुखबिरों की मदद से इन सभी जगहों पर सर्वे शुरू कर दिया है।

जांच अधिकारी डीवाईएसपी नरेन्द्र पूनिया ने बताया कि मुख्य सप्लायर दीपक मोची को न्यायालय में पेश किया गया, जिसे दो अगस्त तक रिमांड पर भेजा गया है।

आरोपी से पुलिस और एसओजी ने संयुक्त व अलग-अलग पूछताछ की।

पूछताछ में कई और ल ोगों के इस काले कारोबार में शामिल होने की जानकारी मिली है। दीपक से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने कई और लोगों को दबोचने के लिए जाल बिछाना शुरू कर दिया है। वहीं दूसरी ओर चम्पालाल शर्मा उर्फ नवीन सारस्वत, रविकांत जाखड़, नरेन्द्र शर्मा, माल चंद शर्मा, पूनमचंद शर्मा, राकेश शर्मा रिमांड पर चल रहे हैं।

गौरतलब है कि लूणकरनसर थाने में पदस्थापित कांस्टेबल सचित्रवीर गोदारा व जयप्रकाश की सूचना परआईजी कार्यालय में पद स्थापित डीवाईएसपी नरेन्द्र पूनिया, हेडकांस्टेबल नानूराम गोदारा, कांस्टेबल संदीप कुमार जांदू व रामप्रताप सायच ने नकली नोट छापने के गिरोह की जानकारी जुटाई। यह ऑपरेशन बीकानेर रेंज पुलिस महानिरीक्षक ओमप्रकाश की देखरेख में चला।

पुलिस ने ताबड़तोड़ कार्रवाई कर गिरोह के युवकों को पकड़ा। उनके कब्जे से दो करोड़ 74 लाख रुपए के नकली नोट, नोट छापने वाली मशीन, स्याही, प्रिंटर, कटर मशीन, कागज व पनी, आरबीआई बैंक की पन्नियां आदि बरामद किए गए।

दिल्ली से भागे लूणकरनसर निवासी दीपक मोची को बीकानेर पुलिस की सूचना पर करनाल पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान पकड़ा।

सुनवाई...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर रहा है। देखिए जजों को टार्गेट करने की सीमा होती है। ये खबरें कौन देता है?'' उन्होंने मौखिक टिप्पणी की कि ''मैंने जो खबर ऑन लाइन देखी वह यह थी कि जज सुनवाई में विलम्ब कर रहे हैं। हमें थोड़ा समय दीजिए। एक जज कोविड से ग्रस्त है और यही कारण है कि हम केस पर कार्य नहीं कर सके, फिर भी हम इसे सूचीबद्ध करेंगे वरना एक न्यूज आइटम और बन जाएगा।''

जब याचिकाकर्ता के वकील ने केस में सुनवाई की मांग की तब ये टिप्पणियां सामने आईं।

सीनियर एडवोकेट कोलिन गोन्ज़ाल्वेस ने एक अवकाश बैंच के समक्ष इस प्रकरण का जिक्र जून महीने माह में किया था और कहा था कि ईसाई संस्थाओं तथा पादरियों पर देश भर में हर महीने औसतन 45 से 50 हिंसक हमले होते हैं। पीटर मैकाडो व अन्य द्वारा दायर याचिका में जो राहत मांगी गई हैं, उनमें तहसीन पूनावाला फैसले में शीर्ष अदालत द्वारा जारी मार्गदर्शकों की पालना किया जाना शामिल है। इसके तहत घ्रणास्पद अपराधों पर ध्यान देने के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाते हैं। वर्ष 2018 में शीर्ष अदालत ने केन्द्र और राज्यों के लिए कुछ मार्गदर्शक जारी किए थे। इनमें फास्ट-ट्रैक सुनवाई, पीड़ित को क्षतिपूर्ति और ढीले कानून प्रवर्तक अधिकारियों के खिलाफ निरोधात्मक दण्ड और अनुशासनात्मक कार्यवाही शामिल है। कोर्ट ने कहा था कि घ्रणास्पद अपराध गाय को लेकर अति-सतर्ककता और लिंचिंग की घटनाओं को शुरू होते ही रोक दिया जाना चाहिए।

क्या पंजाब की भांति...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सिद्धारमैया के समर्थकों, जैसे विधायक जमीर अहमद, ने जोर देते हुए कहा है कि मुख्यमंत्री तो सिद्धरमैया ही होने चाहिये। उनके समर्थकों ने शिव कुमार के दावों की हवा निकालते हुये, ऐसे समय पर कांग्रेस हाई कमान के लिये एक बड़ा सिरदर्द पैदा कर लिया है, जब पार्टी स्वयं अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है। कांग्रेस को ऐसी स्थिति का अनुभव अभी-अभी पंजाब में हुआ ही है, जहां पार्टी के दो बड़े नेताओं में-कैप्टन अमरिन्दर सिंह तथा नवजोत सिंह सिद्धू के बीच की लड़ाई ने कांग्रेस को ठिकाने लगा दिया था तथा राज्य में आम आदमी पार्टी की जीत का मार्ग प्रशस्त कर दिया था। कर्नाटक में, त्रिकोणीय चुनावी लड़ाई से सत्तारूढ़ भाजपा तथा कांग्रेस दोनों के ही लिये एक असमंजस की स्थिति बन रही है। जनता दल (सेर्कुलर), जो कर्नाटक का मजबूत क्षेत्रीय दल है, राज्य की राजनीति में एक महत्वपूर्ण एवं निर्णायक तत्व बना हुआ है। जनता दल की मौजूदगी के फलस्वरूप ही, 2018 में भाजपा बहुमत प्राप्त नहीं कर सकी थी तथा जिसके परिणामस्वरूप, जे.डी. (एस)-कांग्रेस गठबंधन सरकार बन गई थी। लेकिन आज, पिछले साल कांग्रेस जे.डी. (एस) सरकार गिराने के बाद, भाजपा आराम से सत्ता में बैठी हुई है तथा चुनावी दौड़ में थोड़ी आगे दिखाई दे रही है। भाजपा के केन्द्रीय नेतृत्व का पूरा ध्यान इस समय कर्नाटक पर केन्द्रित है तथा उसने वहां के लिये विस्तृत कार्य योजना तैयार कर ली है।कुल मिलाकर, चुनाव मोदी जी के नाम तथा केन्द्र एवं राज्य की सरकारों के कामकाज के आधार पर लड़े जाने हैं।

भाजपा महासचिव तथा विधायक सी.टी. रवि पूरी तरह आश्वस्त हैं कि भाजपा निश्चित रूप से एक बार फिर सत्ता में आयेगी। विभिन्न मुद्दों के पिटारे के चलते, राजनैतिक माहौल में गर्मी है। इन मुद्दों के चलते, हिन्दू वोट बैंक एक जुट होकर भाजपा के समर्थन में आ गया है। प्रमुख मुद्दों में हिजाब के मुद्दे के साथ ही, बजरंग दल के एक्टिविस्टों द्वारा आये दिन की जा रही मॉरल पुलिसिंग का मुद्दा भी शामिल है।

बहस...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विपक्ष के नेताओं ने कहा कि सरकार सशस्त्र सेना की अग्निपथ भर्ती योजना पर बहस की इच्छुक नहीं लगती। वह इस मुद्दे को इस आधार पर टाल सकती है कि यह शीर्ष अदालत में विचाराधीन है। विपक्षी पार्टियां कीमत वृद्धि और खाद्य पदार्थों पर बढ़ाई गई जी.एस.टी. दरों पर बहस कराने को लेकर अड़ी रही और शोर-शराबा करती रहीं, जबकि सरकार ने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के कोविड-19 से रिकवर होने के बाद ही ऐसा किया जा सकता है। राज्यसभा के सभापति वेंकैया नायडू ने राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ गुरुवार हुई एक मीटिंग में कहा कि यदि संबंधित सदस्य अपने आचरण के लिए क्षमा मांगे तो निलम्बन वापस लिया जा सकता है, तथापि विपक्ष का एक भी नेता उनकी बात से संतुष्ट नहीं हुआ।

स्मृति ईरानी को इतना ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और कहा कि अधीर दावा कर रहे हैं कि माफी मांगने की कोई जरुरत नहीं है।

आखिर सुप्रिया सुले उठीं और सोनिया गांधी का हाथ पकड़कर, उन्हें यह कहते हुये बाहर ले गईं कि वे (घर) चली जायें तथा भाजपा वालों से बातचीत ही नहीं किया करें। सोनिया गांधी की आदत इतनी आसानी से समर्पण कर देने की नहीं रही, लेकिन सुले हाथ जोड़कर उन्हें मना ले गई।

कांग्रेस नेता लोकसभा अध्यक्ष से मिले तथा उनसे कहा कि मंत्रिपरिषद को निलम्बित कर दिया जाये। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रकरण को विशेषाधिकार कमेटी के पास भेजा जाये।

इस प्रकार का व्यवहार, जहाँ एक वरिष्ठ नेता से इस तरह बात की जाये तथा बुरी तरह चीख-पुकार की जाये यह एक नई प्रवृत्ति ही पनपती प्रतीत हो रही है, या फिर ऐसा है कि ईरानी सोच समझकर कैबिनेट की अपनी नौकरी बचाने के लिये, कोई चीज अप्रत्यक्ष रुप से आगे बढ़ा रही हैं।

एन.सी.पी. की सांसद सुप्रिया सुले ने कहा, लोकसभा में दुर्भाग्यपूर्ण दृश्य दिखे सदन स्थगित होने के बाद सोनिया गांधी के खिलाफ अनावश्यक नारेबाजी दोखकर हम स्तब्ध रह गए। हम सभी को सदन की गरिमा और शालीनता बनाए रखने की जिम्मेवारी लेनी चाहिए।

तृणमूल की महुआ मोईत्रा ने ट्वीट किया, लोकसभा में भी जब एक 75 वर्षीय वरिष्ठ नेता को घेरकर सब उस पर चिल्ला रहे थे। जबकि वो सिर्फ एक अन्य वरिष्ठ सांसद से बात कर रही थी। प्रैस में भाजपा का झूठ और गलतबयानी से घृणास्पद है।

अधीर रंजन चौधरी ने कहा उन्होंने गलती से ''राष्ट्रपत्नी'' शब्द इस्तेमाल कर दिया जानबूझकर नहीं। मैं राष्ट्रपति का अपमान करने के बारे में सोच भी नहीं सकता यह गलती थी, अगर राष्ट्रपति महोदया को बुरा लगा तो मैं व्यक्तिश: उनसे मिलकर माफी मांगूगा।

एक बार नहीं बल्कि कई बार ताकि वे संतुष्ट हो। वे चाहे तो मुझे फांसी पर लटका सकते हैं, मैं सजा के लिए तैयार हूं पर सोनिया को इसमें क्यों घसीटा जा रहा है।''

कांग्रेस के सांसद और प्रवक्ता गौरव गोगोई ने भाजपा सांसदों के सोनिया के प्रति शर्मनाक व्यवहार की निंदा की। उन्होंने कहा सोनिया गांधी निडर नेता हैं वे भाजपा की महिला सांसदों से बात करने गई, लेकिन भाजपा सांसदों ने बहुत बुरा व्यवहार किया।''

पार्थो को...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अर्पिता ने पार्थो चटर्जी के फंड के बारे में और भी जानकारी दी। अर्पिता की ही एक प्रॉपर्टी से 28 करोड़ रू. नकद और मिले हैं। इसके अलावा सोने के जेवर और छड़े भी अलग-अलग जगहों से बरामद हुई हैं।

चर्चा है कि कुछ लोग पार्थो चटर्जी के कुछ अन्य फॉर्म हाउसों से दस्तावेज और अन्य सामान हटा रहे हैं।

गांव वाले ने जब पार्थो की प्रॉपर्टी पर गतिविधियां देखी तो इन लोगों ने गांव वालों को डराया और धमकाया।

पार्थो और अर्पिता के पास से कैश और अन्य सम्पत्ति का भंडार निकल रहा है ऐसे में यह टिप्पणी सटीक लग रही है कि ''यह तो सिर्फ ट्रेलर हैं, पिक्चर अभी बाकी है।''

महाराष्ट्र...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा की अन्य बैंच द्वारा गत 4 मई जारी एक आदेश का हवाला दे रही थी कि इस मुद्दे का निर्धारण चुनावों के बाद किया जाए।

20 नगर निगमों, 25 जिला परिषदों, 210 नगर परिषदों और 285 पंचायत समितियों में चुनाव कराए जाने शेष हैं। जिन पर नगर निगमों में चुनाव कराए जाने हैं, उनमें बृहन्मुम्बई म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन (बी.एम.सी.) के अलावा पुणे, थाणे, नासिक के नगर निगम और कोल्हापुर, नागपुर, शोलापुर की नगर परिषदें शामिल हैं। बैंच, जिसमें जस्टिस दिनेश महेश्वरी और जस्टिस सी.टी. रविकुमार भी शामिल थे, ने कहा कि ''यह स्वीकार्य नहीं है। आप (एस.ई.सी.) हमारे आदेश का अपनी सुविधा के लिए और शायद किसी अन्य के निर्देश पर गलत अर्थ निकालने की कोशिश कर रहे हैं। क्या आप यह चाहते हैं कि हम आपके खिलाफ अदालत की अवमानना का नोटिस जारी कर दें।''

यह ध्यान दिलाते हुए कि यह स्थिति कई आदेशों में बतलाई जा चुकी है, बैंच ने कहा कि राज्य चुनाव आयोग 367 स्थानीय निकायों के चुनाव कार्यक्रम का पुन: प्रदर्शन नहीं कर सकता। सीनियर एडवोकेट शेखर नफाडे द्वारा प्रस्तुत एस.ई.सी. के शपथ पत्र में कहा गया कि दो नगर पालिकाओं के चुनाव स्थगित किए गए हैं। इस पर बैंच ने कहा कि पहले से अधिसूचित चुनावों में एस.ई.सी. हस्तक्षेप नहीं कर सकता। वह ज्यादा से ज्यादा चुनाव की तिथियों का पुनर्निर्धारण कर सकता है।

कर्नाटक में भाजपा भी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विश्वस्त माना जाता है, का मानना है कि येद्दियुरप्पा के एक नजदीकी सहयोग इस युवा कार्यकर्ता की नृशंस हत्या की एन.आई.ए. द्वारा जाँच कराये जाने की माँग भी कर दी है। इस हत्या के राजस्थान में हुई कन्हैयालाल दर्जी की हत्या से जुड़े होने का भी संदेह किया जा रहा है। ज्ञातव्य है कि पूर्व भाजपा प्रवक्ता नूपुर शर्मा के बयान के समर्थन के कारण, कन्हैयालाल की हत्या कर दी गई थी।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तथा कर्नाटक विधायक सी.टी. रवि इस बात को लेकर सुनिश्चित हैं कि यह नृशंस हत्या किसी सुनियोजित साजिश का हिस्सा है, जो राज्य की साम्प्रदायिक समरसता को बिगाड़ने के लिये रची गई है। उन्होंने इस घटना में कामपंथियों तथा पी.एफ.आई. एवं एस.डी.पी.आई., जो सीमा-पार स संचालित हैं, की लिप्तता का भी शक किया जा रहा है। वस्तुत: भाजपा कार्यकर्ताओं की नाराजगी पिछले कुछ माह से बढ़ती आ रही है। दरअसल, इस निन्दनीय स्थिति के जनक दक्षिणपंथी नेता श्रीराम सेना प्रमुख प्रमोद मुथालिक है, जिन्होंने यह टिप्पणी की थी, ''सरकार के पास वो युक्ति एवं साहस नहीं हैं कि वह चुनौतियों का सीधा सामना कर सके। अगर यह सरकार कोई कार्यवाही करने का निर्णय नहीं लेगी तो और भी लोग मरेंगे। राज्य सरकार इस मामले में विफल रही है।'' मुथालिक उन दक्षिणपंथी ग्रुपों की भावनाओं को ही प्रदर्शित कर रहे हैं, जो इस बात से भौजक हैं कि डबल इंजन सरकार होते हुए भी, अनेक कार्यकर्ता सुरक्षित नहीं हैं।

जहाँ एन.आई.ए. जाँच की माँग की चर्चाएं हैं, वहीं राज्य की पुलिस संदेहास्पद हत्यारों की खोज में केरल जा चुकी है। हत्यारे केरल के रजिस्ट्रेशन नम्बरों की गाड़ियों पर आये थे। रिकॉर्ड के अनुसार, राज्य पुलिस ने अपराधियों को पकड़ने के लिये 6 टीमें बनाई हैं।

यूक्रेन आग में जल रहा और राष्ट्रपति ज़ैलेन्स्की मैगज़ीन फोटोशूट में व्यस्त

इसके बावजूद भी यूक्रेन के लोग इसका विरोध नहीं कर रहे, क्योंकि इसकी वजह कुछ दिलचस्प है

- राष्ट्रपति ज़ैलेन्स्की और उनकी पत्नी ओलेवा ज़ैलेन्स्का ने यह फोटोशोट प्रतिष्ठित वोग मैगज़ीन के लिए कराया है।
- दरअसल, वोग मैगज़ीन में यूक्रेन की फर्स्ट लेडी ओलेवा ज़ैलेंस्का की एक तस्वीर लगाई गई है, जिसमें वे अन्य सैनिकों के साथ मलबे के बीच खड़ी दिखाई दे रही हैं। मैगज़ीन ने फर्स्ट लेडी ज़ैलेंस्का को बहादुरी के लिए देश का चेहरा बताया है।

कीव, 28 जुलाई। रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग को करीब 154 दिन हो गए हैं। इसी साल फरवरी महीने में रूस ने विशेष सैन्य अभियान बताते हुए यूक्रेन पर पहला हमला किया था। जिसके बाद से ये देश जंग की आग में जल रहा है। इस भीषण जंग के बीच देश के राष्ट्रपति व्लोदिमीर जेलेंस्की, अपनी पत्नी ओलेवा जेलेंस्का के साथ वोग मैगजीन के कवर पेज पर दिखाई दिए हैं। इन्होंने बकायदा इस मैगजीन के लिए फोटोशूट कराया है। युद्ध के बीच फोटोशूट कराना अजीब लग सकता है, लेकिन वोग ने यूक्रेन की प्रथम महिला को मुख्य खिलाड़ी और देश का चेहरा बताया है। मैगजीन ने अपने डिजिटल एडिशन को बहादुरी की तस्वीर नाम दिया है।

एडिशन के नाम के साथ जेलेंस्का की तस्वीर लगाई गई है, जिसमें वह अन्य सैनिकों के साथ मलबे के बीच खड़ी दिखाई दे रही हैं। वोग ने अपने इंस्टाग्राम पर इस फोटोशूट से जुड़ी तस्वीरें शेयर की हैं। एक अन्य तस्वीर में जेलेंस्का राष्ट्रपति कार्यालय में कैजुएल कपड़ों में हैं। उन्होंने काले रंग की पैंट और सफेद रंग का टॉप पहना हुआ है। मैगजीन के साथ दंपत्ति ने कई विषयों पर बात की है। इन्होंने अपनी करीब 20 साल की शादी पर बात की, अपने अतीत के बारे में बताया और बिना बच्चों के वह कैसे रह रहे हैं, इस बारे में बताया। क्योंकि दंपति के बच्चों को युद्ध की वजह से अन्य स्थान पर रखा गया है। आमने-सामने के इस इंटरव्यू में राष्ट्रपति और प्रथम महिला ने राजधानी कीव में वोग की क्रू से बात की है। यूक्रेन में शूट को वोग के फोटोग्राफर एनी लीबोविट्ज ने संभाला है। इंस्टाग्राम पर शूट की एक तस्वीर साझा करते हुए, वोग ने लिखा, यूक्रेन में युद्ध एक नए चरण में प्रवेश कर रहा है, देश की प्रथम महिला, ओलेना जेलेंस्का, एक प्रमुख खिलाड़ी बन गई हैं- एक फ्रंटलाइन राजनयिक और अपने देश का भावनात्मक चेहरा।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908